an>

Title: Regarding shifting of Central Government Medical College from Shivpuri in Madhya Pradesh.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : माननीय अध्यक्षा जी, आपने ज़ीरो ऑवर में मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं।

यह बहुत ही गंभीर मामला है जो मैं आपके समक्ष रखना चाहता हूं। सरकारें बदलती रहती हैं लेकिन हमारी नीयत नहीं बदलनी चाहिए। 2014 फरवरी में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री गुलाम नवी आज़ाद जी मेरे संसदीय क्षेत्र में आए थे और उन्होंने एक घोषणा की थी कि एक नये चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना वहां की जाएगी। उसके बाद भारत सरकार के विश्वास मेहता जो संयुक्त सचिव हैं, उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार को 19 फरवरी 2014 को चिट्ठी लिखी थी जहां उन्होंने कहा था कि: I am happy to inform you that five districts namely Chindwara, Ratlam, Shivpuri, Shahdol and Vidisha have been identified in Madhya Pradesh for opening new medical colleges. I would therefore request you to kindly look into the matter personally and furnish the MoU in respect of the identified districts for opening up of medical colleges at the earliest. यह चिट्ठी अजय तिरके, प्रिंसिपल सैक्रेटरी, हैल्थ मध्य प्रदेश को लिखी गई थी। उसके बाद 27 फरवरी को उस संस्था का शिलान्यास भी शिवपुरी में किया गया। 24 मार्च को मध्य प्रदेश सरकार ने शासन का आदेश निकाला कि डॉ. पी.के.सारस्वत को चिकित्सा महाविद्यालय का नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया। उसके बाद कलैक्टर, शिवपुरी द्वारा 12 हेक्टेअर जमीन इस संस्था के लिए आबंटित की गई और उसके बाद आज हमें यह सूचना मिली कि जो मेडिकल कॉलेजेज के लिए एमओयू भेजा गया है, उसमें शिवपुरी का नाम नहीं है। यह बहुत गलत परम्परा होगी, अगर यह परम्परा इस देश में, इस संसद में और इस सरकार के द्वारा शुरू हुई है। क्या सरकार की सोच और विचारधारा बदलनी चाहिए? यह क्षेत्र कुपोषित क्षेत्र है और ग्वालियर-चम्बल संभाग में यह केवल एक ही मैडिकल कालेज रहेगा, जो शिवपुरी में स्थापित होगा।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि स्वास्थ्य मंत्री हमें आश्वस्त करें और हमें बतायें कि वह संस्था यथावत रखी जायेगी और शिवपुरी में ही यह मैडिकल कालेज स्थापित किया जायेगा। यह बहुत गम्भीर मामला है।